

प्रति:

पुलिस कमिश्नर मुंबई

20-7-04

**विषय: दैनिक उर्दू टाइम्स द्वारा धार्मिक उन्माद फैलाने का षडयंत्र**

श्रीमान महोदय,

दैनिक उर्दू टाइम्स (१८.७.०४) में मुख पृष्ठ पर प्रकाशित एक खबर से पता चला है कि आपसे कुछ मौलवियों ने मिलकर यह शिकायत की है कि महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के एक सेमिनार में कुरआन का अपमान किया गया है. जिससे मुसलमानों में काफी गुस्सा है और कथित तौर पर कुरआम का अपमान करने वाले लेखक डॉ. अली अहमद फातमी और सेमिनार के आयोजक महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के कार्याध्यक्ष साजिद रशीद की गिरफ्तारी की मांग भी की गई है.

उर्दू टाइम्स ने जिस सेमिनारका हवाला दिया है वह दिवंगत उर्दू के लेखक कृष्ण चंद्र की २७वीं पुण्यतिथि के अवसर पर १२ और १३ जून को मुंबई के अकबर पीर भाई हाल में हुआ था. इस दो दिवसीय सेमिनार में पूरे देश से आये ५० से अधिक उर्दू लेखकों ने भाग लिया था. हम भी उस सेमिनार में दोनों दिन उपस्थित थे इसलिए पूरी जिम्मेदारी के साथ आपको यह बताना चाहते हैं कि सेमिनार के पहले दिन (१२ जून) के एक चर्चा सत्र में डॉ. अली अहमद फातमी ने कृष्ण चंद्र का पक्ष लेते हुए कहा था 'कुछ आलोचक उन पर आरोप लगाते हैं कि वे मजदूरों और गरीबों का प्रोपेगंडा करते थे. मैं समझता हूँ कि किसी विचार का प्रोपेगंडा कोई गलत बात नहीं है कुरआन भी इस्लाम का प्रोपेगंडा है'....डॉ. फातमी अपनी बात पूरी भी नहीं कर पाये थे प्राध्यापक डॉ. रफिया शबनम आबदी ने उन्हें टोका कि वे कुरआन को प्रोपेगंडा नहीं कह सकते वे अपने शब्द वापस लें जिस पर अकादमी ने कार्याध्यक्ष साजिद रशीद ने डॉ. आबदी से कहा कि 'डॉ. फातमी को अपनी बात पूरी करने दीजिए'. अगर आप डॉ. फातमी की पूरी बात नहीं सुनेंगी और विरोध प्रकट करेंगी तो यह बजरंग दली व्यवहार होगा. इसके बाद डॉ. फातमी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अंग्रेजी शब्द प्रोपेगेशन से प्रोपेगंडा शब्द लिया है जिसका अर्थ प्रचार प्रसार है और मैं समझता हूँ कि सारी मजहबी किताबें अपने-अपने विचारों का प्रचार प्रसार करती हैं. डॉ. फातमी ने फिर यह भी कहा कि अगर आपको ऐतराज है तो मैं माफी चाहता हूँ और अपने शब्द वापस लेता हूँ. मेरा मकसद किसी का दिल दुखाना नहीं था. डॉ. फातमी के इस स्पष्टीकरण के बाद न तो कोई विवाद हुआ और न ही कोई अप्रिय बात हुई. डॉ. आबदी ने भी अपना संतोष व्यक्त किया.

इस सेमिनार के ठीक एक महीने बाद १६ जुलाई उर्दू टाइम्स ने सेमिनार की उपर्युक्त घटना को 'नौजबिल्लाह! कुरआन पाक प्रोपेगंडा है/ महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकादमी के सेमिनार में कुरआन पाक की बेहुरमती (अपमान) पर खामोशी क्यों?' शीर्षक के साथ तोड़-मरोड़ कर पेश किया. इस तरह से उर्दू टाइम्स ने कुरआन के अपमान जैसी संवेदनशील सुर्खी लगाकर आम मुसलमानों को डॉ. फातमी और अकादमी के कार्याध्यक्ष साजिद रशीद के खिलाफ उत्तेजित करने की निंदनीय कोशिश की. उर्दू टाइम्स की बुरी नीयत का पता इससे भी चलता है कि उर्दू टाइम्स का रिपोर्टर सेमिनार के दोनों दिन उपस्थित था. अगर कोई विवाद हुआ होता तो दूसरे रोज यह खबर जरूर उसके अखबार

# Maharashtra Urdu Writers-Guild

President - salam bin Razzaq  
Gen Secretry - Yakoob Rahi

महाराष्ट्र उर्दू राईटर्स गिल्ड

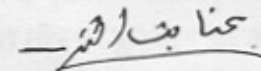


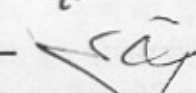
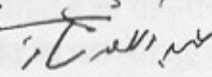
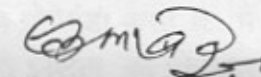


में छपती जो अब एक महीने बाद छपी है .

वास्तविकता यह है कि उर्दू टाइम्स स्वयं ही धार्मिक उत्तेजना पैदा करने के लिए कुरआन के अपमान का एक ऐसा मामला पेश कर रहा है इस्लाम में जिसकी सजा मौत तक हो सकती है इस तरह उर्दू टाइम्स श्री साजिद रशीद और डॉ. फातमी की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है.

हमारी आपसे प्रार्थना है कि आप इस पूरे मामले को गंभीरता से लें क्योंकि एक बेबुनियाद और निहित स्वार्थों से प्रेरित एक खबर से शहर में सांप्रदायिक तनाव भी फैल सकता है इसलिए आप इस मामले की गहनता से जांच करा के ~~सर्वेक्षण~~ के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें. जिससे कि ~~किसी~~ फिर कभी धार्मिक उत्तेजना फैलाने का साहस न कर सके।

कोई

आभारी

- 1 - इनायत अखतर - 
- 2 - ~~सलाम बिन रज्जाक~~ - 
- 3 - आशिफ खाण - 
- 4 - अखलाक परवेज़ - 
- 5 - अब्दुल अहद साज़ - 
- 6 - सलाम बिन रज्जाक - 
7. याकूब राही - 
8. रेहमान अब्बास - 
- 9) मुस्तफा खाण - 